

नादान दोस्त

प्रेमचंद



मुख्य बिंदु

बच्चे घर के कार्निस पर चिड़िया के अंडों को देखते हैं और उनकी सहायता करना चाहते हैं।

बच्चे माँ को डर के कारण अपनी बात नहीं बताते हैं।

बच्चे कार्निस के पर चिड़िया के लिए टोकरी, चिथड़े और दाना-पानी रखते हैं।

परंतु चिड़िया अंडों को नीचे गिरा देती है और बच्चे बहुत दुखी होते हैं।

माँ बच्चों को चिड़िया के स्वभाव के बारे में बताती हैं।

बच्चों से नादानी में तीन अंडों की मौत हो जाती है। उन्हें इस बात का बहुत दुख होता है।

पाठ का सार

‘नादान दोस्त’ पाठ प्रेमचंद द्वारा लिखी एक मार्मिक कहानी है। पाठ के मुख्य पात्र दो बच्चे केशव और श्यामा व चिड़िया है। चिड़िया ने घर के कार्निस पर अंडे दिए हैं। ये बात जब से दोनों बच्चों को पता चलती है, उनके मन में कई प्रश्न आते हैं। पर काम के कारण मम्मी—पापा दोनों ही उनके प्रश्नों का जवाब नहीं देते। तब दोनों बच्चे आपस में ही सवाल—जवाब कर लेते। दोनों बच्चों ने स्वयं ही चिड़िया की मदद करने की सोची और कार्निस पर टोकरी, दाना रखकर छाया कर दिया। परंतु दूसरे ही दिन वे देखते हैं कि चिड़िया अपने अंडों को गिराकर वहाँ से चली गई। तब माँ ने बच्चों को चिड़िया के स्वभाव के बारे में बताया। और हँसकर कहा कि केशव ने नादानी में तीन लोगों की जान ले ली। और केशव बहुत समय तक इस बात को भूल नहीं पाया।